B-3
L-19
Indian Society

19/12/2023

धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद (Religious Revivalism)

- धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद का अर्थ
- धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद के लक्षण
- धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद के सामाजिक परिणाम
- धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद के कारण
- समीक्षा एवं निष्कर्ष

KCS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में धर्म का राजनीतिकरण (Politicization of Religion in India)

- धर्म का राजनीतिकरण का अर्थ
- भारत में धर्म के राजनीतिकरण का स्वरूप
- भारत में धर्म का राजनीतिकरण का लाभ
- भारत में धर्म का राजनीतिकरण की हानि
- समीक्षा

संभावित प्रश्न

1. "राजनीति से धर्म का पूर्ण पृथक्करण, धर्म के राजनीतिकरण से उत्पन्न समस्याओं का अस्थायी समाधान है।" इससे आप कहाँ तक सहमत हैं? उत्तर दीजिए।

2. "धर्म का राजनीतिकरण, सामान्यतः नकारात्मक अर्थों में रूढ़ हो गया है, परन्तु इसके कई सकारात्मक परिणामों ने लोकतंत्र को मजबूत भी किया है।" स्पष्ट कीजिए।

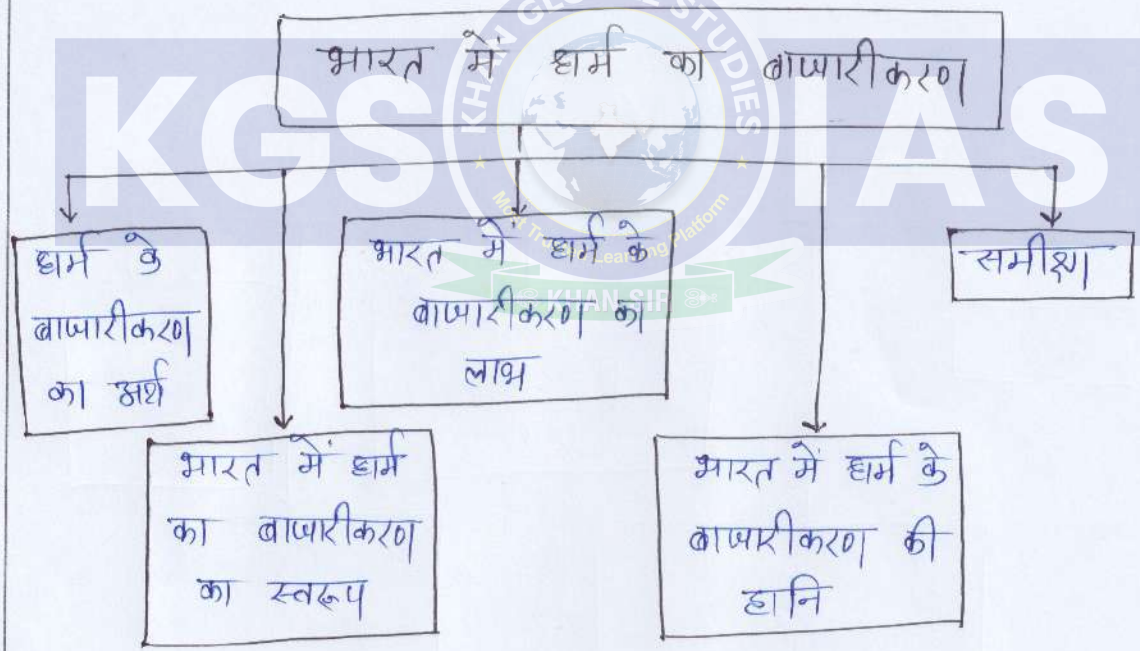

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

संभावित प्रश्न

1. "बाज़ार ने, विज्ञान एवं आधुनिकता से आहत धर्म को, विज्ञान एवं आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करके नवजीवन प्रदान किया है परंतु धर्म को इनकी कीमत, अपने मूल स्वरूप को खोकर चुकानी पड़ी है।" स्पष्ट कीजिए

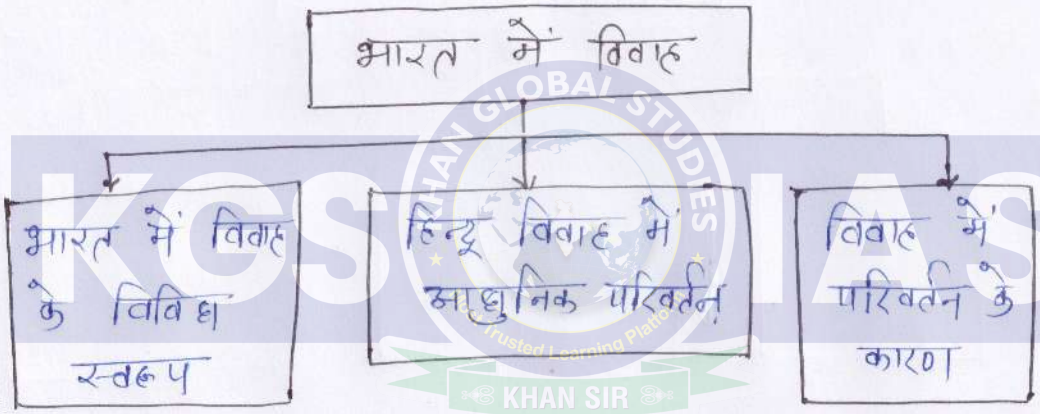

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में विवाह के विविध स्वरूप

- हिन्दुओं में विवाह
- मुस्लिमों में विवाह
- ईसाइयों में विवाह
- जनजातियों में विवाह

हिन्दू विवाह के प्रकार

1. ब्रह्म विवाह
2. दैव विवाह
3. आर्ष विवाह
4. प्रजापत्य विवाह
5. गंधर्व विवाह
6. असुर विवाह
7. राक्षस विवाह
8. पैशाच विवाह

4. प्रजापत्य विवाह ⇩ मान्य विवाह

8. पैशाच विवाह ⇩ अमान्य विवाह

→ अनुलोम विवाह

→ प्रतिलोम विवाह

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

सामान्यत: अंतिम चार विवाह अमान्य माने जाते हैं, परंतु धर्मग्रंथों में गंधर्व विवाह और और राक्षस विवाह क्षत्रियों के लिए और असुर विवाह शूद्रों के लिए मान्य कर दिया गया, और पैशाच विवाह पूरी तरह से अमान्य घोषित किया गया।

परम्परागत भारत में विवाह के दो और रूप प्रचलन में रहें हैं- 1. अनुलोम विवाह - उच्च वर्ण/कुल का लड़का और निम्न कुल/वर्ण की लड़की

2. प्रतिलोम - उच्च कुल/वर्ण की लड़की और
निम्न कुल/वर्ण का लड़का

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR